भ्रष्टाचार से मुलाकात

सतीश कुमार कश्यप
संदेशवाहक वरिष्ठ ग्रेड,
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की।

कल रात स्कूटर पर सवार, मिल गया मुझे भ्रष्टाचार।
मैने कहा बंधु नमस्कार, वो बोले फरमाइये,
मेरे योग्य, कोई सेवा हो तो बताइये।
मैने कहा बन्धुवर, इस देश को पिछले 50 वर्षो से
दीमक से चरा रहे हो।

यह सुनकर भ्रष्टाचार भड़क उठा,
अपने बालों को नोचने लगा,
फिर धीरे से मुँह खोला,
बड़ी करूणा भाव से बोला।
मित्र, यदि हम यहाँ से चले जायेंगे,
यहाँ के सभी पदाधिकारी
(इंजिनियर, डाक्टर, टी.टी. और कन्डक्टर)
अभावों की नाली में पड़े मिलेंगे,
इसलिए मैं उनकी रोजी रोटी पर लात नहीं मार सकता,
इस शस्य, श्यामला भूमि को छोड़कर नहीं जा सकता।

मैने कहा, अबे भ्रष्टाचार, वापस कर मेरी नमस्कार,
याद रख जिस दिन आजाद व सुभाष के देश में
नया खून जागेगा। तु क्या तेरा बाप भी भागेगा।

ये सुनकर भ्रष्टाचार भड़क उठा
और बोला, अरे जनाब मैं सर्वव्यापी हूँ,
परमात्मा और आत्मा की कार्बन कापी हूँ
यदि तुम मुझ पर गोली चलाओगे,
इस देश के बड़ - बड़े नेता तो क्या
अभिनेता भी मारे जाएंगे।
लाख मनाओं 15 अगस्त, तुम मुझे नहीं भगा पाओगे।

मैने कहा अबे सुन,
भारत की नयी पीढ़ी नया देश बनायेगी।
जिस पर तू तो क्या,
तेरी छाया भी न पड़ पायेगी।।